तापमान
अधिकतम 32.9 डिग्री से.
न्यूनतम 14.0 डिग्री से.

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

11 400 एकड़ जमीन पर जलभराव से बिजाई अटकी



12 रामलीला मैदान में 52 फीट के रावण का होगा दहन



खबर संक्षेप

अवैध हथियार व कारतूस सहित युवक गिरफ्तार

सोनीपत। पुलिस की क्राइम यूनिट वेस्ट की टीम ने कुंडली थाना क्षेत्र में अवैध हथियार व दो कारतूस सहित युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अकबरपुर बारोटा निवासी मोनू उर्फ गांधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 18 अक्टूबर को सहायक उप निरीक्षक सुरेंद्र अपनी टीम के साथ केएमपी फ्लाइओवर के पास गांव बारोटा में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि मोनू उर्फ गांधी अकबरपुर बारोटा से छतेहरा रोड पर एक फार्म के पास अवैध पिस्तौल लेकर खड़ा है। पुलिस ने जब उसकी रोककर तलाशी ली तो उससे अवैध हथियार व कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने केस दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कॉपर पाइप चोरी करने के आरोपी पकड़े



सोनीपत। कुंडली थाना पुलिस ने प्याऊ मनियारी स्थित शुभ मल्टी प्रोडक्ट इंडस्ट्रीज से करीब तीन लाख रुपये कीमत के कॉपर पाइप चोरी करने के मामले में तीन और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पेपर मिल कॉलोनी, कुंडली निवासी संतोष, दिल्ली के नरेला निवासी सोनू और प्याऊ मनियारी निवासी अमन के रूप में हुई है। पुलिस चोरी का सामान भी बरामद कर चुकी है। पानीपत के गांव चुलकाना निवासी संदीप ने 13 अक्टूबर को शिकायत दी थी कि वह कंपनी में प्रबंधक है। कंपनी बंद करके घर जाने के बाद अगले दिन सुबह पहुंचा तो कॉपर पाइप बिखरे मिले। सीसीटीवी फुटेज की जांच में तीन-चार युवक मुख्य गेट के ऊपर से अंदर घुसते और पाइप ले जाते दिखाई दिए। चोर करीब 17 पाइप लेकर फरार हुए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। इससे पहले प्याऊ मनियारी निवासी नीरज उर्फ काला को गिरफ्तार किया गया था।

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में गिरफ्तार युवकों के परिजन सदमे में

नौवीं में फेल होने के बाद रेहान ने छोड़ दी थी पढ़ाई, किशोर सीख रहा था टाइल लगाना

अवैध हथियार के मामले में जमानत पर था रेहान, चोरी की बाइक खरीदने के आरोप में किशोर सुधार गृह में रहा था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत



सोनीपत। युवक के बारे में जानकारी देता आदमी।



सोनीपत। शहर की ईदगाह कॉलोनी का दृश्य।

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले में राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार सोनीपत के गांव देवड़ निवासी रेहान और गोहाना क्षेत्र के एक किशोर को लेकर नए तथ्य सामने आए हैं। दोनों के परिवारों की आर्थिक स्थिति सामान्य है। रेहान के परिजनों का कहना है कि उसे गलत गतिविधियों से दूर रहने और सामान्य जिंदगी जीने के लिए कई बार समझाया गया, लेकिन वह नहीं माना। वहीं, किशोर के पिता इस बात से हैरान हैं कि पत्थर और टाइल लगाने का काम सीखने के लिए घर से निकला उनका बेटा मुंबई में अभिनेता से जुड़े फायरिंग मामले तक कैसे पहुंच गया।

मां करती है फैक्ट्री में नौकरी

गांव देवड़ निवासी रेहान के परिजनों के मुताबिक, वह नौवीं कक्षा में फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़ चुका था। इसके बाद धीरे-धीरे परिवार से उसकी दूरी बढ़ती गई। उसकी मां शमसीदा करीब एक दशक पहले पति रहीसुद्दीन से अलग होकर अपने मायके गांव देवड़ में रहने लगी थीं। वह अपने छोटे बेटे और रेहान के साथ रहती हैं तथा गन्नौर क्षेत्र की एक फैक्टरी में नौकरी करती हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी उनके साथ रहते हैं। रेहान की मौसी अफसाना के अनुसार, परिवार ने उसे कई बार समझाया कि वह गलत गतिविधियों से दूर रहकर मेहनत से अपनी जिंदगी संवारे। इसके बावजूद वह पहले भी अवैध हथियार के मामले में पकड़ा जा चुका है। वहीं किशोर के पिता ने आशंका जताई कि कहीं कोई उनके बेटे को बहला-फुसलाकर अपने साथ तो नहीं ले गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले पंजाब पुलिस भी किसी मामले में पूछताछ के लिए उनके घर आई थी। उनका बेटा चोरी की बाइक खरीदने के मामले में पकड़ा जा चुका है और उस समय उसे बाल सुधार गृह भेजा गया था। किशोर की तीन बहनें हैं, जिनमें दो बड़ी और एक छोटी है। सबसे बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य है और पिता मजदूरी कर घर चलाते हैं। बेटे का नाम फायरिंग मामले में सामने आने से परिवार की चिंता बढ़ गई है।

अवैध हथियार मामले में रेहान को 31 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होना था

पुलिस ने रेहान को 19 अगस्त को गोहाना-जींद मार्ग पर बुटाना के पास से गिरफ्तार किया था। उस समय उसके पास से एक देसी पिस्तौल, तीन कारतूस और एक खाली मैगजीन बरामद हुई थी। कारतूस पर पीपीयू 7.62 एमएम टीटी लिखा था। इस मामले में जमानत मिलने के बाद वह बाहर आ गया था और उसे 31 अक्तूबर को अदालत में पेश होना था। मौसी के मुताबिक, जेल से बाहर आने के बाद रेहान ने अपराध की दुनिया छोड़ने की बात कही थी। वह वेल्डिंग का काम सीखने लगा था। करीब एक महीने पहले उसने गुरुग्राम जाकर काम सीखने की बात परिवार को बताई थी। परिवार को लगता रहा कि वह रोजगार हासिल करने के लिए मेहनत कर रहा है। करीब 15 दिन पहले उसने अपनी मां को फोन कर काम सीखने और मेहनत करने की बात भी कही थी। अब फायरिंग मामले में गिरफ्तारी की खबर मिलने के बाद परिवार हैरान है।

13 सितंबर को काम सीखने के लिए घर से निकला था किशोर

मामले में अभिरक्षा में लिए गए किशोर के पिता ने बताया कि उनका बेटा गोहाना में पत्थर और टाइल लगाने का काम सीख रहा था। उसने इसी साल गांव के स्कूल में 12वीं कक्षा में दाखिला लिया था। वह 13 सितंबर को काम सीखने के लिए घर से निकला था। इसके बाद वह कहां गया और किन लोगों के संपर्क में रहा, इसकी जानकारी परिवार को नहीं है। पिता ने बताया कि वह दिव्यांग हैं और उनका एक हाथ हथेली के पास से कटा हुआ है। वह ईंट तोड़कर मजदूरी करते हैं और इसी से परिवार का गुजारा चलता है। उन्हें उम्मीद थी कि बेटा हुनर सीखकर अपने पैरों पर खड़ा होगा। ऐसे में उसका नाम अभिनेता से जुड़े फायरिंग मामले में सामने आना उनके लिए चिंता का विषय है।

सेक्टर-15 में 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला की सोने की चेन झपटी

- सैर के बाद वापस लौट रही थी, घर के पास पीछे से आए बाइक सवार ने दिया वारदात को अंजाम
- चेन में लगा था डेढ़ लाख रुपये का हीरे का लॉकेट, केस

सोनीपत। सेक्टर-15 में सुबह सैर करके घर लौट रही 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला की बाइक सवार युवक ने सोने की चेन झपट ली। वारदात घर के पास हुई, जहां पीछे से आए युवक ने महिला के गले पर झपट्टा मारकर चेन तोड़ ली और फरार हो गया। चेन में करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत का हीरे का लॉकेट भी लगा हुआ था। अचानक हुई वारदात के कारण महिला आरोपित का चेहरा ठीक से नहीं देख सकीं और बाइक का नंबर भी नोट नहीं कर पाईं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-15 निवासी राशि शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 अक्तूबर की सुबह वह रोजाना की तरह सैर के लिए घर से निकली थीं। सैर पूरी करने के बाद जब वह वापस लौट रही थीं, तभी घर के पास पीछे से बाइक पर आए युवक ने उनके गले पर झपट्टा मारा। वह कुछ समझ पातीं, इससे पहले ही युवक उनकी सोने की चेन तोड़कर फरार हो गया। राशि शर्मा के अनुसार, झपटी गई चेन का वजन करीब दो से ढाई तोले था। उसमें हीरे का लॉकेट भी लगा हुआ था, जिसकी कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये बताई गई है। वारदात अचानक होने के कारण वह युवक का चेहरा ठीक से नहीं देख सकीं और बाइक का नंबर भी नहीं देख पाईं।

कुंडली में युवक की हत्या के मामले में आठवां आरोपी भी गिरफ्तार



- पुलिस ने अदालत में पेश किया, चार दिन के रिमांड पर

सोनीपत। कुंडली थाना पुलिस ने युवक नरेंद्र की हत्या के मामले में आठवें आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान दिल्ली के अलीपुर निवासी दिवांशु के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे 18 अक्टूबर को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान पुलिस वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच करेगी। कुंडली निवासी सतेंद्र ने 23 अगस्त को पुलिस को शिकायत दी थी कि वह अपने साथियों के साथ प्लॉट के सामने मौजूद था। इसी दौरान अमन और अन्य युवक बाइकों पर पहुंचे और निखिल के साथ गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपितों ने सतेंद्र के भाई नरेंद्र की छाती में गोली मार दी। घायल नरेंद्र को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस इस मामले में पहले उमेश, अंकुश, दीपक, अमित, कौशल, नितिन और सोनू को गिरफ्तार कर चुकी है। अब दिवांशु को पकड़ा गया है।

युवक पर फायरिंग करने के आरोपी गिरफ्तार

गन्नौर। सांदल कलां में युवक पर फायरिंग, मारपीट और चार वाहनों में तोड़फोड़ करने के आरोप में पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सांदल कलां के सुमित, अक्ष उर्फ सौरभ, आकाश और पानीपत के चुलकाना गांव के सचिन के रूप में हुई है। पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस के अनुसार, 12 अक्टूबर को सांदल कलां गांव के सागर उर्फ सन्नी ने शिकायत दी थी कि गांव के अड्डे पर आरोपितों ने उस पर जानलेवा हमला किया। शिकायतकर्ता के अनुसार, सुमित ने पिस्तौल से फायर किया। इसके बाद अन्य युवकों ने भी गोली चलाई और फरसे उसपर और उसके दोस्त प्रवीन पर हमला कर घायल कर दिया। इसके बाद आरोपितों ने तेजधार हथियारों से वाहनों में तोड़फोड़ की। शिकायत पर थाना बड़ी पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।



दुकान का गल्ला तोड़कर चोरी करने के आरोपी पकड़े

गोहाना। शहर थाना की पुलिस ने दुकान का शटर और गल्ला तोड़कर नकदी व मोबाइल चोरी करने के मामले में पानीपत की समालखा स्थित सीताराम कॉलोनी निवासी गोलू को गिरफ्तार किया है। न्यायालय के आदेश पर आरोपित को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मुख्य बाजार निवासी राकेश ने 13 अक्टूबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि फव्वारा चौक के निकट स्थित उसकी दुकान का शटर और गल्ला तोड़कर चोरी की गई। चोर नोटों की मालाएं और गल्ले से 1.25 लाख रुपये ले गए थे। कुल चोरी की रकम करीब सवा दो लाख रुपये और मोबाइल बताई गई है। पुलिस इस मामले में पहले पानीपत के विकास नगर निवासी अरविंद और राजू को गिरफ्तार कर चुकी है। अब गोलू को गिरफ्तार किया गया है।

मोबाइल और नकदी छीनने में दो गिरफ्तार

गोहाना। शहर थाना की पुलिस ने युवक से मोबाइल और नकदी झपटने के मामले में पानीपत के गांव लाखु बुआना निवासी रोहित और जींद के सफीदों निवासी सोनू को गिरफ्तार किया है। न्यायालय के आदेश पर दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपितों से 10 हजार रुपये और मोबाइल बरामद किया है। मूल रूप से बिहार के सीतामढ़ी जिले के गांव देमा निवासी विकास इन दिनों गांव फरमाणा में रहता है। वह शनिवार को अपने साथी गांव मैंसवाल कलां निवासी संजय के साथ कंपनी की गाड़ी की सर्विस कराने गोहाना आया था। गाड़ी खड़ी करने के बाद जब वह ड्रेन नंबर आठ के पास पहुंचा तो झाड़ियों से दो युवक निकले। एक युवक ने उसका मोबाइल झपट लिया, जबकि दूसरे ने जेब से 20 हजार रुपये निकाल लिए।



हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
20 अक्टूबर 2026

सहेली

विशेष: विजय दशमी



विजय दशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का, अधर्म पर धर्म की जीत का, अनीति पर नीति की जीत का और अन्याय पर न्याय की जीत का उत्सव है। उत्सव मनाने के साथ ही यह पर्व हर तरह की दुष्प्रवृत्ति का प्रतिकार करने का संदेश भी देता है। महिलाओं के लिए इस पर्व में निहित संदेश बहुत मायने रखते हैं। केवल अपने घर-परिवार में ही नहीं आस-पड़ोस और समाज में भी किसी प्रकार के दुर्व्यवहार या अन्याय के प्रतिकार का सामर्थ्य हर महिला में अवश्य होना चाहिए।

जरूरी है बुराइयों के प्रतिकार का सामर्थ्य

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

हमारे परंपरागत पर्व हर मोर्चे पर जीवन साधने की सीख लिए होते हैं। नवरात्र के नौ दिनों में मन की शक्ति जुटाने के बाद आने वाला विजय दशमी का पर्व बुराई के प्रतिकार का हौसला रखने का संदेश देता है। यह त्योहार अहंकार और आक्रामकता पर विनम्रता और अच्छाई की जीत का उत्सव है। प्रभु श्रीराम की विजय के इस पावन पारंपरिक पर्व पर महिलाएं भी व्यावहारिक जीवन में बुराइयों से जूझने का पाठ पढ़ सकती हैं। असल में किसी भी तरह की बुराई से लड़ने के लिए मन की शक्ति को साधने के साथ ही समझ और सूझ-बूझ के साथ जीवन के मैदान में डटे रहना होता है। घर हो या बाहर, महिलाएं अपनी समझ, स्नेह और साथ-सहयोग के भाव संग हर तरह की नकारात्मक सोच, दुर्व्यवहार और दुष्प्रवृत्ति को मात दे सकती हैं।

स्पष्ट सोच और मजबूत मन

सबसे पहले तो हर स्त्री को खुद में, अपने ही जीवन से जुड़ी परेशानियों का प्रतिकार करने की सोच लानी होगी। उन समस्याओं के कारणों को समझना होगा। संबंधों से जुड़ी उलझनें हों या दूसरों के गलत व्यवहार से उपजी तकलीफें, हिम्मत के साथ दिलोदिमाग में स्पष्टता भी रखनी होगी। यूं भी जिंदगी के किसी भी मोर्चे पर मन-मस्तिष्क को मजबूत



बनाकर ही किसी बुराई से जूझा जा सकता है। सधी सोच हो, तो ही गलत बात का विरोध किया जा सकता है। नकारात्मकता से लड़ा जा सकता है। मुखर होकर अपनी बात कही जा सकती है। इसीलिए बात परिवार की हो या परिवेश की, सबसे पहले हालात को समझते हुए अपने दिलोदिमाग की उथल-पुथल को ठहराव दें। यह साफ समझें कि किसी तरह के बुरे बर्ताव, बोलचाल या बदसलूकी का विरोध करना है, तो करना है। इसमें अपना पराया न देखें। गलत को गलत कहने के लिए अपनी सोच स्थिर और स्पष्ट रखें। बुराई से लड़ने के मामले में एक बार कदम आगे बढ़ा लें तो पीछे ना हटें। यह तभी संभव है, जब अपनी सोच और मन मजबूत हो।

सहयोग लेने का रखें सहज भाव

प्रभु श्रीराम ने रावण से युद्ध जीतने के लिए वानरों का भी सहयोग लिया। अधर्म से दूरी बनाकर निःस्वार्थ भाव से दिए गए विभीषण के मार्गदर्शन को मान दिया। माता सीता को वापस लाने की जद्दोजहद में विनम्रता के साथ सबकी सलाह सुनी। दूसरों के विचारों को मान दिया। महिलाओं को भी बुराइयों के प्रतिकार हेतु ऐसी ही सहज समझ रखनी चाहिए। किसी की सहायता करने के लिए बड़ा दिल रखना ही नहीं, सहायता लेने की खुली सोच रखना भी बुराई से लड़ने के लिए जरूरी है। पर्सनल फ्रंट हो या सामाजिक-पारिवारिक मोर्चा, बुराई से अकेले नहीं लड़ा जा सकता।

साथ, सहयोग देने और जुटाने का गुण हर मुश्किल और अमानवीय बुराई से जूझने के लिए जरूरी है। इसके लिए अहंकार से बचें। यहां तक कि किसी महिला का साथ देने के लिए पुरुष का सहयोग लिया जा सकता है। आपसी समझ अच्छी हो तो पति, बेटे, भाई या पिता, स्त्री जीवन से जुड़ी समस्या से लड़ने में भी आपके मददगार बन सकते हैं। कई बार मुश्किल वक्त में भी ईगो साथ लेने ही नहीं, सहयोग देने में भी खूब आड़े आता है। जबकि स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन समझाता है कि सभी को साथ लेकर चलने की सोच, घर से लेकर बाहर तक बड़े बदलाव लाने का माध्यम बनी है। बुराइयों से जूझने के दौर में संबल देने वाली साबित हुई है।



अच्छाई का साथ देने का सामर्थ्य

बुराई के प्रतिकार के साथ ही इसको जड़ें जमाने से रोकने के लिए भी अच्छाई का साथ देना जरूरी है। नेकी का परिवेश नकारात्मक को फलने-फूलने नहीं देता। असत्य पर सत्य की जीत का पर्व, दशहरा भी यही समझाता है कि चाहे जितनी भी मुश्किलें आएं, विजय सच की ही होती है। सच्चाई के साथ अच्छाई के लिए लड़ना आसान हो जाता है। बुराई से जीतने की जंग कठिन होने पर भी उस पर चलने की हिम्मत बनी रहती है। सही बात का समर्थन करने का साहस बना रहता है। इसीलिए फायदे-नुकसान या मुश्किल-आसान के फेर में न पड़कर सच के साथ खड़ी रहें। घरेलू मामलों में कई बार सही-गलत का चुनाव मुश्किल हो जाता है। किसी एक पक्ष का साथ देने का दबाव भी रहता है। स्वतंत्र निर्णय लेने से रिश्तों में और उलझनें बढ़ने की फिक्र भी सताती है। पर याद रहे कि सही रास्ता चुनना और सही के साथ खड़े होने का गुण ही आपके सजग अस्तित्व का प्रतीक है।

दूरदर्शी सोच अपनाएं

ससुराल में बेटी के हिस्से आ रही बेवजह की तकलीफें हों या असुरक्षा के घेरे में फंसी आस-पड़ोस की कोई महिला, बहुत-सी स्त्रियां इन बातों-हालातों को समझती हैं, लेकिन साथ देने में जरा देर कर देती हैं। 'सब ठीक हो जाएगा' की सोच से बुराई के घाव अकसर नासूर बन जाने के बाद संभाले जाते हैं। समय रहते चेत जाने का गुण हर तरह की अनीति और अपराध से लड़ने का मुख्य हथियार है। छेड़छाड़ के दुर्व्यवहार की अनदेखी का नतीजा कई बार बर्बर घटना के रूप में सामने आता है। अपने बच्चों का बचपना लगने वाली दिशाहीनता, विरोध न किया जाए तो वे अपराध तक कर बैठते हैं। समय रहते सख्ती न बरती जाए तो बच्चे बुरी लत में फंस जाते हैं। देवरानी-जेठानी हों या घर के बड़े-बुजुर्ग छोटा-मोटा मनमुटाव रिश्तों में एक कटुता पैदा कर देता है। इसीलिए महिलाओं को समझना होगा कि सभी बुराइयों की शुरुआत बहुत आम से लगने वाले व्यवहार से होती है। एक सामान्य या मन को उद्वेलित करने वाला विचार हर तरह की नकारात्मकता की जड़ बन जाता है। जरूरी है कि स्त्रियां छोटी-छोटी बातों को लेकर भी सचेत रहें। विवेकशील सोच के साथ समस्याओं से जूझने के कदम उठाएं। समय रहते चेत जाएं तो परिवार हो या समाज, हर अनैतिक और असभ्य व्यवहार को पहले ही कदम पर रोका जा सकता है। दूरदर्शिता का गुण दुष्प्रवृत्ति से लड़ने के लिए बहुत जरूरी है। बुराई के जड़ें जमाने से पहले ही उखाड़ फेंकने के लिए भी यह दूरदर्शिता आवश्यक है।

अपनी बुराइयों के अंत के लिए बच्चों को ऐसे करें प्रेरित

नादान बच्चे अनजाने में कुछ बुरी आदतें अपना लेते हैं। इन बुरी आदतों को अभिभावक डांटकर नहीं, प्यार से सुधारें। उन्हें अच्छी आदतों के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही बड़े बच्चों के सामने अपना आचरण भी ऐसा रखें कि वे अच्छी बातें अपनाने के लिए प्रेरित हों।

बच्चे और आप
पूर्ति खरे



हर साल दशहरे पर बच्चे अपने माता-पिता के साथ रावण दहन देखने जाते हैं। जब बच्चे रावण के पुतले को जलते हुए देखते हैं, तो उनके मन में कई सवाल उठते हैं- रावण क्यों जलाया जाता है? अगर बुराई पर अच्छाई की जीत का नाम विजय दशमी है, तो अच्छाई और बुराई कैसे पहचानें? हम अच्छे कैसे बनें? आप बच्चों के मन में उठते इन सवालों का जवाब जरूर दें, उन्हें बताएं कि विजय दशमी में बुराई पर अच्छाई की जीत केवल राम और रावण की कहानी नहीं है, यह कहानी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ती है। यह हमारे लिए एक बड़ा सबक है। हम बच्चों को कैसे बुराइयों से दूर रखें, उन्हें अच्छा बनने के लिए प्रेरित करें, यहां विस्तार से जानिए

गलती स्वीकारना और सुधारना सिखाएं: बच्चा झूठ बोलता है, गुस्सा करता है या अपनी गलती स्वीकार नहीं करता, तो हम उसे जिद्दी, झूठा या बिगड़ैल कह देते हैं। लेकिन बच्चे को डांटने या बुरा कहने के बजाय उसके व्यवहार को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। उसे समझाएं कि गलती किसी से भी हो सकती है, लेकिन उसे स्वीकार करना और सुधारना एक अच्छी बात है।



डांटकर नहीं, प्यार से समझाएं: मान लीजिए, बच्चे ने खेलते समय कोई सामान तोड़ दिया है। डर के कारण वह झूठ बोल देता है कि उसने नहीं तोड़ा। ऐसे में बच्चे को अपमानित करने के बजाय प्यार से पूछें, 'सच-सच बताओ, यह चीज टूटी कैसे। प्रॉमिस करो, आगे से ऐसी कोई हरकत नहीं करोगे, जिससे कोई नुकसान हो।' इससे बच्चा समझेगा कि सच बोलना, गलती छिपाने से बेहतर है।

तुलना नहीं, प्रोत्साहित करें: जब बच्चे के किसी दोस्त को अच्छे अंक मिलते हैं या भाई-बहन को कोई उपहार मिलता है, तो बच्चे के मन में ईर्ष्या के भाव आ सकते हैं। ऐसे में उसे डांटने के बजाय समझाएं कि किसी दूसरे की सफलता का मतलब हमारी हार नहीं है। किसी दूसरे बच्चे से तुलना करने के बजाय, उसको अच्छे प्रयास करने के लिए प्रेरित करें, उसके इस प्रयास के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि वह अपनी क्षमताओं पर भरोसा करना सीखें।

बातें सुनें और जिम्मेदारियां समझाएं: बच्चों के साथ बैठकर उनकी बात सुनें और उन्हें अपनी जिम्मेदारियां समझाएं। साथ ही अपने व्यवहार से भी वही उदाहरण प्रस्तुत करें, जिसकी अपेक्षा आप बच्चों से करते हैं। बच्चों में सही गलत बात की सीख और समझ जरूर विकसित करें। वह कभी किसी के दबाव में आकर कोई गलत काम ना करें, न ही किसी गलत बात का समर्थन करें। बच्चों को गलत बातों का विरोध करना भी सिखाएं। वे हमेशा सच्चाई का साथ दें, झूठ से दूर रहें।

सकारात्मक परवरिश का सार : क्यों न, इस विजय दशमी परिवार के सभी सदस्य अपनी एक बुरी आदत खत्म करने का संकल्प लें। जैसे- बच्चा कहे कि वह गलती होने पर सच-सच बताएगा। माता-पिता संकल्प लें कि वे गुस्से में ऊंची आवाज में नहीं बोलेंगे। पैरेंट्स भी उन बुरी आदतों को छोड़ेंगे, जिनके लिए अपने बच्चों को रोकते-टोकते हैं। सप्ताह के अंत में परिवार के सभी सदस्य बैठकर आपस में चर्चा करें कि कौन, कितना अपना संकल्प अमल में लाया। कोई गलती होने पर गुस्साने के बजाय बच्चों को सुधारने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को यह भी समझाएं कि दूसरों का मजाक उड़ाना या किसी कमजोर को परेशान करना सही नहीं है। यदि वे किसी को दुःख पहुंचाते हैं, तो उनसे माफी मांगे और अपनी गलती सुधारें। जिस दिन बच्चा अपनी गलती पहचानकर उसे सुधारने की कोशिश करना सीख जाता है, उसी दिन बुराइयों पर अच्छाई की जीत शुरू हो जाती है। ऐसी ही छोटी-छोटी जीतें मिलकर एक संवेदनशील और जिम्मेदार इंसान बनाती हैं। यही विजय दशमी की सच्ची सीख है, यही सकारात्मक परवरिश का सार भी है।

दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक तो है ही। यह पर्व प्रतीकात्मक रूप में महिलाओं को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने के लिए भी प्रेरित करता है, नई पीढ़ी को संस्कारित भी करता है।

महिलाओं के लिए शक्ति आह्वान संस्कार पोसने का पर्व है दशहरा

पर्व-संदेश
वीरेंद्र बहादुर सिंह

दशहरा यानी विजय दशमी, बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व तो है ही, साथ ही महिलाओं के लिए दशहरा अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और नई पीढ़ी को संस्कारित करने का अवसर भी है।

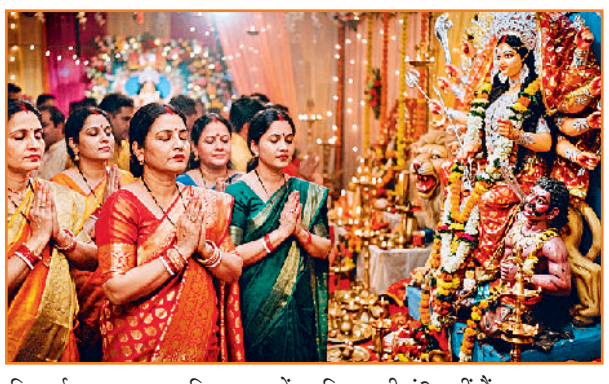

नारी शक्ति का प्रतीक देवी दुर्गा: विजय दशमी से जुड़ी देवी दुर्गा और महिषासुर की कथा, नारी शक्ति का सबसे प्रभावशाली प्रतीक मानी जाती है। इस कथा का संदेश आज भी प्रासंगिक है। महिला चाहे गृहिणी हो, नौकरीपेशा हो, व्यवसायी हो या किसी अन्य क्षेत्र में कार्यरत हो, उसके भीतर परिस्थितियों से संघर्ष करने और परिवार को संभालने की अद्भुत क्षमता होती है।



बच्चों को देती हैं संस्कार: बच्चों को रामायण की कथा सुनाना, सत्य-धर्म का महत्व समझाना तथा बड़ों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना भी हमारी माताओं और दादियों की परंपरा का हिस्सा रहा है। इस तरह महिलाएं त्योहार के माध्यम से संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाती हैं। आज इस बात की बहुत जरूरत है कि बच्चों (खासतौर पर बेटियों) को केवल त्योहारों की पूजा-पद्धति न सिखाई जाए, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता, शिक्षा, आत्मरक्षा, निर्णय लेने की क्षमता और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता का संस्कार भी दिया जाए। दशहरा हमें सिखाता है कि शक्ति का अर्थ केवल बाहरी सामर्थ्य नहीं, बल्कि सही और गलत के बीच अंतर समझना है।

करें आत्मचिंतन: दशहरे पर घर में पूजा, दीप प्रज्ज्वलन, शंखनाद और आरती के साथ वातावरण भक्तिमय हो जाता है। लेकिन त्योहार की सार्थकता तब और बढ़ती है, जब पूजा के साथ आत्मचिंतन भी किया जाए। आप स्वयं से पूछ सकती हैं कि क्या मैं अपने लिए भी समय निकालती हूं? कहीं मैं आत्मसम्मान से समझौता तो नहीं कर रही? इन सवालों के जवाब आपको आत्मसुधार के लिए प्रेरित करेंगे।

चुनौतियां से लड़ने की प्रेरणा: रावण के दस सिर को यदि प्रतीकात्मक रूप से देखें, तो वे अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या और अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों की याद दिलाते हैं। महिलाओं के जीवन में भी कई प्रकार की सामाजिक और मानसिक चुनौतियां आती हैं। भेदभाव, असुरक्षा, रूढ़ियां, आत्मविश्वास की कमी और दूसरों की अपेक्षाओं का दबाव जैसी नकारात्मकताओं पर विजय पाने की प्रेरणा भी यह पर्व देता है।

वास्तविक विजय का अर्थ: दशहरा इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह आपको अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने का अवसर देता है। इस दिन अपने भीतर के डर, हीनभावना, क्रोध या आत्मविश्वास की कमी को भी दूर करने का संकल्प लें, तो विजय दशमी पर्व का संदेश और सार्थक हो सकता है।

फेस्टिव सीजन के लिए परफेक्ट है मिनरल मेकअप

मेकअप
प्रीति गुप्ता

जब बात फेस्टिव सीजन में सजने-संवरने की आती है, तो महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए खूब चाव से मेकअप करती हैं। जहां पहले के दौर में फेस्टिव मेकअप में हैवी फाउंडेशन, कंसीलर और कई लेयर वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल ज्यादा किया जाता था, वहीं अब नेचुरल और लाइट मेकअप का ट्रेंड पसंद किया जा रहा है। इसी वजह से मिनरल मेकअप भी महिलाओं के बीच पॉपुलर हो रहा है। इसमें चेहरे को बहुत ज्यादा ढंकने के बजाय त्वचा की नेचुरल खूबसूरती को बनाए रखने पर जोर दिया जाता है।

त्वचा को करें तैयार: मिनरल मेकअप का अच्छा लुक पाने के लिए पहले पहले स्किन की तैयारी जरूरी है। चेहरे को साफ करने के बाद अपनी स्किन टाइप के अनुसार मॉयश्चराइजर लगाएं। दिन में फंक्शन है तो सनस्क्रीन लगाना न भूलें। अच्छी तरह मॉयश्चराइज की गई त्वचा पर मेकअप ज्यादा स्मूद दिखाई देता है।

मिनरल फाउंडेशन करें यूज: अगर आप मिनरल फाउंडेशन या मिनरल पावडर इस्तेमाल कर रही हैं, तो इसकी बहुत मोटी लेयर लगाने से बचें। जहां जरूरत हो, वहीं हल्की मात्रा में लगाएं। इसका उद्देश्य आपकी रंगत को थोड़ा समान दिखाना है। इससे चेहरा नेचुरल नजर आएगा।

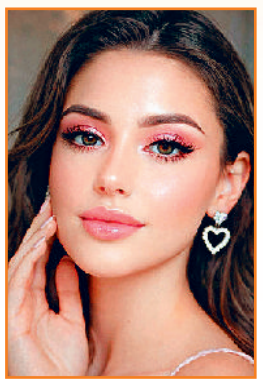

कंसीलर सिर्फ जरूरत वाली जगह लगाएं: त्योहारों के मेकअप में आंखों के नीचे हल्के डार्क सर्कल या छोटे दाग-धब्बों को कवर करने के लिए कंसीलर लगाया जा सकता है। लेकिन पूरे चेहरे पर इसकी मोटी परत लगाने की जरूरत नहीं है। कम प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से मेकअप ज्यादा नेचुरल ही नहीं अधिक आकर्षक भी दिखाई देता है।

आंखों को दें सॉफ्ट टच: आंखों के लिए बहुत ज्यादा गहरा मेकअप करने के बजाय ब्राउन, गोल्डन या सॉफ्ट शिमरी शेड चुन सकती हैं। पतली आईलाइनर लाइन और हल्का सा मस्कारा आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए काफी है। अगर शाम का फंक्शन है, तो आंखों के अंदरूनी कोने पर हल्का शिमर लगाया जा सकता है।

ब्लश से मिलेगी फ्रेशनेस: मिनरल मेकअप में ब्लश का इस्तेमाल चेहरे को फ्रेश और हेल्दी लुक देने के लिए किया जाता है। पीच, सॉफ्ट पिंक या रोजी शेड के ब्लश, त्योहारों के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ब्लश को गालों पर हल्के हाथों से लगाएं ताकि ब्लश का शेड ज्यादा गहरा न दिखे।

होंठों पर सॉफ्ट कलर: मिनरल मेकअप के साथ होंठों पर न्यूड, रोज, पीच या सॉफ्ट ब्राउन शेड खूबसूरत लग सकते हैं।

हाईलाइटर: सबसे लास्ट में चीकबोंस, नाक के ऊपरी हिस्से और आंखों के अंदरूनी कोने पर थोड़ी मात्रा में हाईलाइटर लगाएं।

(ब्यूटी एक्सपर्ट सिमरन अरोड़ा से बातचीत पर आधारित)

त्योहारों में जरूरी है खुद की देखभाल

त्योहार अपनों के साथ खुशियां मनाने के लिए होते हैं, खुद को थकाकर बीमार करने के लिए नहीं। जब आप अपना ध्यान रखेंगी, देखभाल करेंगी, तभी त्योहारों का असली आनंद ले पाएंगी।

सेल्फ केयर
पारुल अग्रवाल मित्तल

पर्व-त्योहार खुशियां लेकर जरूर आते हैं, लेकिन इन दिनों घर की महिलाओं के काम बहुत ज्यादा बढ़ जाते हैं। घर की साफ-सफाई, खरीदारी, पकवान बनाना और मेहमानों की खातिरदारी का सारा बोझ उन पर ही होता है। इससे अकसर महिलाएं तनाव में आ जाती हैं, इसे मेडिकल भाषा में फेस्टिव बर्नआउट हैं। इसलिए त्योहारों पर कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अपने आपको न भूलें: त्योहारों में महिलाओं की जिम्मेदारियां बहुत बढ़ जाती हैं। वे यह भूल जाती हैं कि त्योहार की खुशी में उनका अपना हिस्सा भी उतना ही जरूरी है, जितना बाकी सबका। इसलिए इस बार त्योहार की तैयारी में अपने आपको भूलें नहीं, त्योहार की खुशी का हिस्सा बनें।

अपने लिए सजे-संवरें: त्योहार पर सजना-संवरना सिर्फ दूसरों की खुशी के लिए नहीं, अपनी खुशी के लिए भी जरूरी है। आप अपनी पसंद की ड्रेस पहनें, बाल संवारें, मेकअप करें, अपनी पसंद की कोई एसेसरी पहनें। ये सब अपने आपको खुशी देते हैं। त्योहार पर आईने में खुद को देखकर मुस्कुराना आत्मविश्वास बढ़ाता है। इस आत्मविश्वास की एक अलग ही खुशी महसूस होती है।



मुस्कुराता हुआ हो आपका चेहरा: त्योहारों की रोशनी सिर्फ घर के दीयों से ही नहीं, घर के लोगों के मुस्कुराते चेहरों से भी आती है। इस रोशनी में सिर्फ आपका मुस्कुराता चेहरा ही नहीं, परिवार के बाकी सदस्यों का चेहरा भी मुस्कुराता हुआ होना जरूरी है। इसलिए इस त्योहार घर की सफाई करते हुए अपने मन की थकान भी हमेशा साफ रखें। त्योहारों की छोटी-सी सेल्फ-केयर है, काम का बेहतर बंटवारा। इससे आपको खुशी मिलेगी और घर में खुशनुमा माहौल भी बनेगा।

स्वाद के साथ सेहत का भी रखें ख्याल: त्योहारों पर अधिक मिठाइयां और तला-भुना खाना शरीर पर भारी पड़ सकता है। इसके लिए डाइट को बैलेंस करें। एक टाइम हैवी डाइट ली है, तो दूसरे टाइम कुछ लाइट खाएं। बार-बार चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक्स से बचें। पानी पर्याप्त मात्रा में पीती रहें। भोजन में फल, सलाद और हल्का खाना शामिल करें। त्योहार की खुशी अगले दिन भारीपन, एसिडिटी या थकान में न बदल जाए, इसका ध्यान रखना अपनी देखभाल का हिस्सा है।

पर्याप्त नींद लें: त्योहारों की तैयारियों में अकसर रात देर तक जागना और सुबह जल्दी उठना सामान्य सी दिनचर्या हो जाती है। कुछ जिम्मेदारियां परिवार के दूसरे सदस्यों को भी दें और अपनी नींद को प्राथमिकता दें। इससे आप अपना फ्रेश फील करेंगी।

काम के बीच लेती रहें ब्रेक

जब आप लगातार काम करती हैं, तो शरीर और दिमाग दोनों थक जाते हैं। ऐसे में त्योहारों से पहले अपने सभी कामों की सूची बना लें। कोशिश करें कि आप कामों के बीच छोटे-छोटे ब्रेक लें। इस दौरान चाय-कॉफी के साथ कुछ देर शांत बैठना, थोड़ी देर टहलना, संगीत सुनना या फिर बस आंखें बंद करके आराम करना भी पर्याप्त है, इससे आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और चेहरे पर ताजगी बनी रहेगी।



खबर संक्षेप



रामायण के पात्रों में सजे नन्हे-मुन्ने

खरखौदा। बुद्धा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, खुर्मपुर के प्री-प्राइमरी विंग के विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास के साथ दशहरा पर्व मनाया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चे रामायण के विभिन्न पात्रों की मनमोहक वेशभूषा में सजे नजर आए। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों और उत्साह ने विद्यालय के वातावरण को उत्सवमय बना दिया। नन्हे कदमों ने दी बड़ी सीख, बुराई पर अच्छाई की जीत के संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम ने बच्चों को सत्य, सदाचार और अच्छे संस्कारों का महत्व समझाया। दशहरा उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों को यह प्रेरणा दी गई कि जीवन में सदैव अच्छाई और सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। बच्चों के उत्साह और प्रतिभा की सराहना करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य योगेंद्र दहिया तथा मैनेजमेंट की ओर से कामिनी दहिया, कांता दहिया व नेहा दहिया ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। वहीं कोऑर्डिनेटर शिवानी शर्मा ने भी बच्चों को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने, आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा निखारने और अच्छे संस्कार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

जिप की बैठक में उठा किसानों का मुद्दा

जलभराव से घड़वाल में 400 एकड़ जमीन पर रबी की बिजाई अटकी

ग्राम सचिव के स्थानांतरण से लेकर पेंशन और आवास योजना के मुद्दे भी उठाए

- जिला पार्षदों ने विकास कार्यों में देरी और अनियमितताओं पर जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत





सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद अधिकारीगण तथा बैठक के बाहर हरियाणा पंचायती राज का पुतला फूंकते हुए जिला पार्षद संजय बड़वासनियां एवं अन्य।

गोहाना रोड स्थित जिला परिषद कार्यालय में सोमवार को ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा के लिए बैठक हुई। इसमें गांवों की समस्याओं, लंबित विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। बैठक में घड़वाल गांव में करीब 400 एकड़ जमीन पर जलभराव के कारण रबी की फसलों की बिजाई नहीं हो पाने का मुद्दा प्रमुखता से उठा। जिला पार्षदों ने कहा कि पानी निकासी की समस्या का समाधान नहीं होने से किसानों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। जिला पार्षद रवि इंदौरा ने कहा कि वह कई बार बारिश के पानी की निकासी का मुद्दा उठा चुके हैं, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने बैठक में महिला पार्षदों के स्थान पर उनके प्रतिनिधियों के शामिल होने पर भी सवाल उठाए और महिला आरक्षण समाप्त करने की मांग रखी। वहीं, जिला पार्षद तकदीर ने एक ग्राम सचिव पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उसके स्थानांतरण की मांग की।

विकास कार्यों में देरी पर चेयरपर्सन मोनिका दहिया ने अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं मजबूत करने के लिए विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना जरूरी है। लापरवाही या गुणवत्ता में कमी मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि गांवों में काम शुरू करने से पहले संबंधित जिला पार्षद को इसकी जानकारी दी जाए, ताकि जनप्रतिनिधि विकास कार्यों की निगरानी कर सकें।

नहरों की सफाई के दिए निर्देश

बैठक में नहरों की सफाई और ग्रामीण सड़कों के किनारों को साफ रखने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने और कार्रवाई रिपोर्ट समय पर भेजने को कहा गया। इसके अलावा जाखौली में प्रस्तावित राजकीय कॉलेज के भवन निर्माण के लिए सरकारी स्कूल की जमीन के पट्टे की अवधि 99 वर्ष तक बढ़ाने के विषय पर चर्चा हुई।

संजय बड़वासनियां कंधे पर पुतला लेकर बैठक में पहुंचे

जिला परिषद की बैठक में अपनी मांगों को लेकर जिला पार्षद संजय बड़वासनी अनोखे अंदाज में कंधे पर हरियाणा पंचायती राज का पुतला लेकर पहुंचे। उन्होंने जिला परिषद कार्यालय के सामने पुतला फूंककर सरकार के खिलाफ विरोध जताया। संजय बड़वासनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने जिला परिषद को सफेद हाथी बनाकर खड़ा कर दिया है। उन्होंने जिला पार्षदों का प्रोटोकॉल जारी करने और विधायकों की तर्ज पर विकास कार्यों के लिए कोटा निर्धारित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की तर्ज पर हरियाणा में भी जिला परिषद को अधिक अधिकार दिए जाएं। उन्होंने बुजुर्गों की पेंशन संबंधी समस्याओं और परिवार पहचान पत्र में गलत आय दर्ज होने से बीपीएल कार्ड कटने का मुद्दा उठाया। उन्होंने गांवों में शिविर लगाकर पेंशन और बीपीएल सर्वे कराने की मांग की। साथ ही बताया कि 5,200 स्वीकृत मकानों में से 2,200 लंबित हैं। बीपीएल परिवारों को दिए गए 100-100 गज के प्लॉटों पर गलियों, पानी और सीवर की व्यवस्था कराने की भी मांग की।

जिला पार्षद संजय बड़वासनी ने परिवार पहचान पत्र, पेंशन और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत खंडहर हो चुके मकानों के पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाया। इस पर अधिकारियों ने बताया कि मकानों के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत बजट आने की उम्मीद है। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अनमोल ने सेवा संकल्प अभियान के तहत गांवों में लगाए गए शिविरों में प्राप्त आवेदनों की रिपोर्ट मांगी। बैठक में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी मनीष मलिक, बिजली निगम के एक्सईएन अश्विनी धनखड़ और एओ विनोद जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।



सोनीपत के धोबीवाड़ा में कन्या पूजन के बाद भोजन खिलाते पंडित अमित शौनक।

शारदीय नवरात्र उत्सव

मां महागौरी की आराधना कर कंजकों को करवाया भोजन

- नवरात्र की अष्टमी व नवमी तिथि पर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने की सुख-समृद्धि की कामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शारदीय नवरात्र उत्सव के अंतिम दिन सोमवार को श्रद्धालुओं ने अष्टमी व नवमी तिथि एक साथ होने पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी और नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की आराधना कर कंजकों का पूजन किया। श्रद्धालुओं ने मंदिरों व घरों में विधिविधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, धन-धान्य व वैभव की कामना की। सुबह कंजकों को आमंत्रित कर पैर धोकर उन्हें आसन ग्रहण करवाया। इसके बाद कंजकों को तिलक कर भोजन कराया गया। भोजन उपरांत सभी कंजकों को श्रद्धा अनुसार फल, पैसे, माता की चुनरी व उपहार भेंट किए गए।

नवमी तिथि में श्रद्धालुओं ने कन्या पूजन के उपरांत अपने व्रत का पारण किया। मान्यता है कि कन्या पूजन करने से घर में सदैव सुख-समृद्धि का वास रहता है। छोटी कन्याओं का पूजन करने से मां दुर्गा जल्द प्रसन्न होती हैं। वहीं मंदिरों में महिला मंडलियों ने मिलकर भजन कीर्तन कर माता रानी का गुणगान किया। कामी रोड स्थित सिद्धपीठ श्री चंडी मां महाकाली प्राचीन मंदिर सहित शहर के प्राचीन मंदिरों में मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना कर विशेष आरती व अनुष्ठान किए गए। मंदिर प्रबंधन समिति ने कन्या पूजन कर उन्हें भोजन कराया। साथ ही श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। शाम को पूजा-अर्चना के साथ नवरात्र उत्सव संपन्न हुआ।

छात्रों ने बाल रामलीला से किया भावविभोर

गोहाना। सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बिचपड़ी में विजयदशमी के पावन पर्व के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों द्वारा बाल रामलीला का आयोजन किया गया। बाल विद्यार्थियों की प्रस्तुति से विद्यालय का पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। प्राचार्य आशीष गोयल ने कहा कि दशहरा का पर्व हमें सिखाता है कि चाहे बुराई कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अंत में जीत हमेशा अच्छाई और सच्चाई की ही होती है। कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर कक्षा 5वीं तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने बढ़-चढकर भाग लिया। बच्चों द्वारा रामायण पर आधारित मनमोहक झांकी और अभिनय प्रस्तुत किया गया। यक्षित ने भगवान श्रीराम की भूमिका में मर्यादा का संदेश दिया, तो काव्या ने माता सीता के रूप में अपने अभिनय से सभी को प्रभावित किया।

न्यूज डायरी



मां दुर्गा की भक्ति और डांडिया की धुनों पर झूमे प्रतिभागी

खरखौदा। प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खरखौदा में 'नवरास – मां दुर्गा, नृत्य और आपसी सौहार्द का उत्सव' हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भक्ति, भारतीय संस्कृति, पारंपरिक नृत्य और आपसी भाईचारे का सुंदर संगम देखने को मिला। पूरे आयोजन के दौरान उत्सव का माहौल बना रहा और प्रतिभागियों ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या दया दहिया तथा अकादमिक निदेशक डॉ. सुबोध दहिया ने दीप प्रज्ज्वलित करके की। प्राचार्या दया दहिया ने कहा कि नवरात्रि का पर्व शक्ति, भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। मां दुर्गा की आराधना हमें बुराई पर अच्छाई की जीत, साहस, आत्मविश्वास और नारी शक्ति के सम्मान का संदेश देती है।



कुलदीप को सब्जी मंडी प्रधान की जिम्मेदारी

सोनीपत। सोनीपत सब्जी मंडी के व्यापारियों ने आपसी सहमति से कुलदीप सहरावत को दोबारा प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी है। सोमवार को मंडी के वाइस चेयरमैन यामीन सेठ की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। दोबारा प्रधान बनाए जाने पर व्यापारियों ने कुलदीप सहरावत को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। दोबारा जिम्मेदारी मिलने पर कुलदीप सहरावत ने सभी व्यापारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह व्यापारियों के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। बैठक में इंद्र गुप्ता, रविन्द्र खत्री, महेंद्र सैनी, संजय गुप्ता, दिनेश जिंदल, हरिचंद, अजय सैनी, विनोद सैनी, नरेंद्र बल्हारा, कृष्ण कुमार, राजकुमार खत्री और सुखवीर सैनी सहित करीब 40 व्यापारी मौजूद रहे।



मेयर ने धार्मिक कार्यक्रमों में की शिरकत

सोनीपत। दशहरे से पूर्व नगर निगम क्षेत्र में आयोजित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में मेयर राजीव जैन ने शिरकत कर भगवान के चरणों में शीश नवाया और सर्वजन कल्याण की कामना की। उन्होंने हनुमान जी की झांकी, सुंदरकांड पाठ और विभिन्न जागरणों में भाग लेकर श्रद्धालुओं के साथ धार्मिक आस्था साझा की तथा आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। मेयर राजीव जैन हनुमान मंदिर जीवन नगर, सिक्का कॉलोनी, एकता पार्क चार मरला, शिव पार्क सेक्टर-12, शिवाजी कॉलोनी, दुर्गा पूजा, चावला कॉलोनी और बाबा कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रमों में पहुंचे। उन्होंने कहा कि धार्मिक उत्सव भारतीय संस्कृति, आस्था और परंपराओं के प्रतीक हैं।



सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समां

गोहाना। जवाहरलाल नेहरू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना में दुर्गाष्टमी के पावन पर्व और दशहरे की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के एमडी एडवोकेट सुनील शर्मा और प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने की। संयोजन उप प्राचार्य सूरत शर्मा और को-ऑर्डिनेटर रितु भारद्वाज ने किया। एमडी एडवोकेट सुनील शर्मा ने कहा कि मां दुर्गा बुराइयों के विनाश का प्रतीक हैं। उनका आशीर्वाद हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। सांस्कृतिक उत्सव में प्राइमरी और प्री-प्राइमरी (पीपी-3) के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने संपूर्ण रामायण का मंचन किया।

समाधान शिविर में एसडीएम ने सुनी जन शिकायतें

गन्नौर। उपमंडलीय परिसर में सोमवार को एसडीएम प्रवेश कादियान ने समाधान शिविर में जन शिकायतें सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों का स्थायी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में गांव सरढाना निवासी संदीप ने शिकायत दी कि पड़ोसी के खाली प्लाट में सब्जियों की सिंचाई के लिए पाइप खुला छोड़ने से उसके मकान की दीवार, छत और फर्श में दरारें आ गई हैं। उसने नुकसान की भरपाई और प्लाट मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसडीएम ने संबंधित अधिकारी को मौके का निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अलावा परिवार पहचान पत्र में आयु व आय संबंधी त्रुटियां ठीक करने, बीपीएल कार्ड दोबारा शुरू करने और वृद्धावस्था सम्मान भत्ता देने संबंधी शिकायतें भी आईं। एसडीएम ने अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं के मामलों का निपटारा करने के निर्देश दिए।

रोटरी क्लब गन्नौर रॉयल ने लगाया निःशुल्क नेत्र जांच व रक्तदान शिविर, 40 यूनिट एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर रॉयल की ओर से सौरभांचल चैरिटेबल अस्पताल के अंतर्गत संचालित श्रॉफ नेत्र जांच केंद्र में निशुल्क नेत्र जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। क्लब के प्रधान नितिन जैन और सचिव गौरव जैन ने बताया कि रोटरी क्लब समय-समय पर रक्तदान शिविर सहित विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित करता रहता है। शिविर में प्रोजेक्ट चेयरमैन संदीप वर्मा ने स्वयं रक्तदान कर दूसरों को भी इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। शिविर में कुल 40 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। नेत्र जांच शिविर में 60 मरीजों की आंखों की जांच की गई और उन्हें निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। इसके अलावा 10 मरीजों को सर्जरी के लिए श्रॉफ जांच केंद्र, दिल्ली में आगामी तारीख तय की। सौरभांचल तीर्थ कमेटी के कोषाध्यक्ष विनय जैन ने बताया कि परिसर में संचालित श्रॉफ नेत्र जांच केंद्र में जल्द ही ओपीडी के साथ सर्जरी की सुविधा शुरू करने की योजना है।



गन्नौर। क्लब के प्रधान नितिन जैन और सचिव गौरव जैन रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए। फोटो :हरिभूमि

विधायक इंदुराज नरवाल ने अनाजमंडी का निरीक्षण किया

गोहाना। बरोदा विधानसभा के कांग्रेस विधायक इंदुराज नरवाल ने सोमवार को अनाजमंडी का दौरा करके धान की खरीद व्यवस्था का निरीक्षण किया। विधायक ने धान की खरीद में की जा रही देरी पर नाराजगी जताई। विधायक इंदुराज नरवाल ने कहा कि मार्केट कमेटी के आंकड़ों के हिसाब से मंडी में अब तक लगभग 35 हजार क्विंटल धान की आवक हो चुकी है। इसमें से अब तक मात्र 13 हजार क्विंटल धान की ही खरीद की गई है। धान खरीद प्रक्रिया सुस्त होने के चलते किसानों और आढ़तियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।



जन्मदिन पर पर्यावरण मित्र ने लगाए 25 पौधे, देखभाल की जिम्मेदारी ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गांव किलोहड़द में सोमवार को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पर्यावरण मित्र राहुल राठी ने अपने जन्मदिन पर पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने बरगद सहित छायादार प्रजातियों के 25 पौधे लगाए। साथ ही पौधों की देखभाल करने और उन्हें पेड़ बनने तक सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी उठाई। इस पहल के माध्यम से उन्होंने लोगों को जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों पर पौधारोपण कर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। राहुल राठी पिछले दस वर्षों से अपने साथियों के साथ मिलकर गांव में पौधारोपण अभियान चला रहे हैं। इस दौरान वे हजारों पौधे लगा चुके हैं। उनका उद्देश्य गांव को हरा-भरा बनाने के साथ-साथ लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल करना भी जरूरी है।



छात्रों को साइबर धोखाधड़ी से बचने के तरीके बताए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

भारत इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में बजाज फाइनेंस की ओर से साइबर एवं वित्तीय धोखाधड़ी के प्रति जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

बजाज फाइनेंस के आरएम मैनेजर हरप्रीत, एएम विकास और संजय सैनी ने बताया कि डिजिटल युग में मोबाइल बैंकिंग, ऑनलाइन भुगतान और यूपीआई ने जीवन आसान बनाया है, लेकिन साइबर अपराधी भी नए तरीकों से लोगों को ठग रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी के साथ ओटीपी, यूपीआई पिन, सीवीवी और पासवर्ड साझा नहीं करना चाहिए। फर्जी ऋण प्रस्तावों, अनजान लिंक और क्यूआर कोड से सावधान रहना जरूरी है। अनजान व्यक्तियों के कहने पर स्क्रीन साझा करने वाले अनुप्रयोग भी डाउनलोड नहीं करने चाहिए। कॉलेज निदेशक डॉ. पूनम जागलान ने भी विद्यार्थियों को साइबर धोखाधड़ी से सतर्क रहने और दूसरों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।



सीएम विंडो पर शिकायतों की निष्पक्ष जांच नहीं होने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हुडा पब्लिक हेल्थ कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष आरके नागर ने सीएम विंडो पर दी गई दो शिकायतों की निष्पक्ष जांच नहीं होने का आरोप लगाया है। उन्होंने दोनों मामलों की जांच राज्य सतर्कता विभाग और एंटी करप्शन ब्यूरो हरियाणा से कराने की मांग की है। आरके नागर ने बताया कि उन्होंने 12 सितंबर 2025 को पानीपत में बागवानी विभाग के आम के हरे पेड़ कथित रूप से काटकर बेचने के मामले में शिकायत दी थी। छह मार्च 2026 को रिमाइंडर देने के बावजूद जांच राज्य सतर्कता विभाग से कराने के बजाय शिकायत अलग-अलग अधिकारियों के माध्यम से कार्यकारी अभियंता, बागवानी मंडल रोहतक तक पहुंचा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारियों ने बिना निष्पक्ष जांच के गलत कार्रवाई रिपोर्ट बनाकर शिकायत का निपटारा कर दिया। इस मामले में थाना सेक्टर 13-17 पानीपत में भी शिकायत देने की बात कही।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत गुहणा में झींगा मछलीपालन हेतु भाग नं. 14 से 22 की बोली दिनांक 23.10.2026 को सुबह 11:30 बजे गांव के ग्राम सचिवालय में करवाई जाएगी। सिक्योरिटी राशि 30 हजार रुपये प्रति तालाब होगी। बोली की बाकी सभी शर्तें मौके पर सुनाई जाएंगी।

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत गुहणा
खण्ड सोनीपत

ग्राम पंचायत जागसी सहरावत
खण्ड मुण्डलाना, तहसील गोहाना, जिला सोनीपत (हरियाणा) मो. नं. 9812000730

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जागसी सहरावत के आठ पंचायती तालाबों 1. रासल वाला, 2. भूरे वाला, 3. पीएचसी वाला, 4. बड़ा वाला, 5. धानक वाला, 6. भूरम्मी वाला, 7. रामसर वाला और 8. जहाला वाला की मत्स्य पालन हेतु बोली दिनांक 23.10.2026 को प्रातः 11 बजे धौली चौपाल में की जानी है। बोली की जमानत राशि 50 हजार रुपये होगी। बोली राशि मौके पर जमा करवानी होगी। उक्त तालाबों को 8 साल के लिए पट्टे पर दिया जाएगा। बोली की बाकी शर्तें मौके पर बता दी जाएंगी। अधिक जानकारी के लिए सरपंच ग्राम पंचायत जागसी सहरावत से सम्पर्क कर सकते हैं।

हस्ता/-सरपंच, ग्राम पंचायत जागसी सहरावत, तह. गोहाना (सोनीपत)

निर्देश | बस संचालकों, ट्रांसपोर्ट यूनियनों और स्कूलों को नए नियमों के प्रति किया जाएगा जागरूक

नवंबर से दिल्ली में निर्धारित मानकों वाली बसों को ही मिलेगी एंट्री, सोनीपत पुलिस ने तेज की तैयारी

- सीएनजी, इलेक्ट्रिक और बीएस-6 मानक वाली डीजल बसों के लिए लागू होंगे प्रावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए एक नवंबर 2026 से बसों के प्रवेश को लेकर नए नियम लागू होंगे। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के दिशा-निर्देशों के तहत दिल्ली में प्रवेश करने वाली बसों को निर्धारित ईंधन और प्रदूषण मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य होगा। इसे देखते हुए सोनीपत पुलिस ने नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय से पहले बस संचालकों और संबंधित संस्थानों को नए नियमों की जानकारी दें, ताकि नियम लागू होने के बाद किसी तरह की परेशानी न हो।

पुलिस आयुक्त ममता सिंह, आईपीएस, एडीजीपी के मार्गदर्शन और पुलिस उपायुक्त मुख्यालय एवं यातायात सोनाक्षी सिंह, आईपीएस के निर्देशन में संबंधित अधिकारियों को जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत बस संचालकों, परिवहन यूनियनों, टूर ऑपरेटरों तथा स्कूलों और अन्य संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें की जाएंगी। इन बैठकों में नए प्रावधानों की जानकारी देने के साथ बसों को निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

नियमों की जानकारी पहले ही जुटानी होगी

सीएक्यूएम के निर्देशों के अनुसार, एक नवंबर से दिल्ली में प्रवेश करने वाली बसों के लिए निर्धारित ईंधन और प्रदूषण मानकों का पालन जरूरी होगा। इनमें सीएनजी, इलेक्ट्रिक और बीएस-6 मानक वाली डीजल बसों से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट (एआईटीपी) वाली और दिल्ली में पंजीकृत बसों पर भी संबंधित दिशा-निर्देशों के अनुसार नियम लागू होंगे। ऐसे में दिल्ली आने-जाने वाले बस संचालकों को अपने वाहनों की श्रेणी और लागू नियमों की जानकारी पहले ही जुटानी होगी।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए निर्धारित मानकों का पालन करना जरूरी

पुलिस उपायुक्त सोनाक्षी सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नए नियमों की पालना सुनिश्चित करने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसके लिए बस संचालकों और परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों तक समय रहते जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि वे अपने वाहनों को निर्धारित मानकों के अनुरूप रख सकें। सोनीपत पुलिस ने दिल्ली जाने वाले सभी बस संचालकों से अपील की है कि वे एक नवंबर से लागू होने वाले नियमों की जानकारी लेकर अपने वाहनों की पात्रता सुनिश्चित करें। पुलिस ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए निर्धारित मानकों का पालन करना जरूरी है।

शहर में 15 स्थानों पर जलेंगे पुतले, रामलीला समितियों ने पूरी की तैयारियां

रामलीला मैदान में 52 फीट के रावण का होगा दहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

1 **नई अनाज मंडी में दिखेगा अनूठा नजारा, रावण की आंखें जलेंगी व मुंह से निकलेगी आग**

2 **पुतलों में ज्यादातर ग्रीन पटाखों का प्रयोग, बागपत से बुलाए कारीगरों ने लगाई आतिशबाजी**

3 **रोहतक व दिल्ली से तैयार होकर रात को पहुंचे रावण परिवार के पुतले, शाम 6 बजे तक होगा दहन**

जिलाभर में मंगलवार 20 अक्टूबर को दशहरा एवं विजयदशमी पर्व श्रद्धाभाव एवं हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इसके लिए विभिन्न रामलीला सभाओं व समितियों की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली है। इस बार जिले के सबसे ऊंचे रावण की ऊंचाई 60 फीट रहेगी। साथ ही मेघनाथ-कुंभकरण के पुतलों का कद 55-55 फीट रहेगा। पुतलों को खासतौर पर रोहतक से तैयार करवाया गया है। पुतलों में आतिशबाजी लगवाने के लिए विशेषतौर पर उत्तर प्रदेश के बागपत से कारीगरों को बुलाया गया है। विभिन्न जगह देर रात तक पुतलों को खड़ा करवाया गया।

दशहरा पर शहर के रामलीला मैदान सहित सेक्टर-15 हुडा ग्राउंड, सेक्टर-23, नई अनाज मंडी सहित करीब 15 स्थानों पर 20 से 52 फीट ऊंचे रावण के पुतलों का दहन किया जाएगा। कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में 52 फीट के रावण, तो 45-45 फीट के मेघनाथ-कुंभकरण को जलाया जाएगा। इन पुतलों के हाथों में धनुष बाण व गद्दा भी बनाई गई है। नई अनाज मंडी में इस बार सोनीपत में पहली बार अनूठा प्रयोग देखने को मिलेगा, जहां रावण का पुतला मुंह से आग उगलेगा, उसकी आंखें लाइटिंग से जलती हुई दिखाई देंगी। भगवान श्रीराम चमचमाती बिजली और धुआं छोड़ने वाले तीरों से रावण का संहार करेंगे। शहर में मुख्य जगह पुतलों के दहन का समय शाम 6 बजे तक रहेगा। सोमवार को रोहतक से पुतलों को देर रात तक रामलीला मैदान में खड़ा किया गया। वहीं शहर के अलग-अलग स्थानों पर भी रावण के पुतलों का दहन किया जाएगा। कारीगरों ने दिल्ली रोड, गोहाना रोड व सेक्टर 14-15 रोड पर करीब 05-30 फीट तक के पुतलों को तैयार किया।



सोनीपत। कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में खड़े किए गए पुतले।



सोनीपत। मंचन के दौरान अंगद को दूत बनाकर भेजते श्रीराम।

यह रहेगा शुभ मुहूर्त

आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 20 अक्तूबर दोपहर 12:50 बजे प्रारंभ होगी, जो अगले दिन 21 अक्तूबर को दोपहर 2:11 बजे तक रहेगी। इस दिन रवि व सर्वार्थ सिद्धि योग और श्रवण नक्षत्र का संयोग रहेगा। आमतौर पर रावण दहन प्रदोष काल अर्थात सूर्यास्त से कुछ समय पहले किया जा सकता है। वहीं शस्त्र पूजा का शुभ मुहूर्त दोपहर 1:59 बजे से 2:45 बजे तक रहेगा। इस कार्यकाल में शस्त्र, वाहन व अपराजिता पूजा करना विशेष फलदायी रहेगा। इसके अलावा अपराह्न पूजा का समय दोपहर 1:14 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक रहेगा। ऐसे में रावण दहन 20 अक्तूबर को सूर्यास्त होने पर शाम करीब 5:45 बजे के बाद उचित रहेगा।

पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा गया

रामलीला मैदान में जलाए जाने वाले सबसे ऊंचे रावण, मेघनाथ व कुंभकरण के पुतलों में आतिशबाजी उत्तर प्रदेश के बागपत से मंगवाई गई है। बागपत से कारीगर देर शाम आतिशबाजी को लेकर सोनीपत पहुंचे। प्रधान महेंद्र मंगला व गजेंद्र मंगला ने बताया कि आतिशबाजी को लेकर पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा गया है। पुतलों में ज्यादातर ग्रीन पटाखों का प्रयोग किया जा रहा है, ताकि लोगों को स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ने से रोका जा सके।

रावण दहन से पहले होगा राम-रावण के युद्ध का मंचन

शहर में काफी वर्ष से श्री रामलीला सभा व श्रीठाकुरद्वारा पंचायती मंदिर सेवा समिति की ओर से कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में रामलीला का मंचन कर दशहरे पर रावण के पुतलों का दहन किया जाता है। रावण दहन से पहले राम-रावण के युद्ध का मंचन होगा। रामलीला मंचन के साथ मेला दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना है।

रामलीला मंचन : विभीषण ने ली श्रीराम की शरण, शक्ति लगने से मूर्छित हुए लक्ष्मण

श्री रामलीला सभा और श्री ठाकुरद्वारा पंचायती मंदिर सेवा समिति की ओर से कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के नौवें दिन विभीषण शरणागती, श्री रामेश्वर स्थापना, अंगद रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति के प्रसंगों का मंचन किया गया। वृंदावन से आचार्य सौरभ द्विवेदी, टीवी फेम स्वामी शिवदयाल शर्मा और स्वामी गिरिराज प्रसाद शर्मा के मार्गदर्शन में कलाकारों ने दर्शाया कि हनुमान जी लंका को जलाकर वापस आकर राम को सारा वृत्तांत सुनाते हैं। उधर विभीषण रावण को समझाते हैं कि वह माता सीता को वापस कर दें व भगवान राम से माफी मांग लें। रावण गुस्से में विभीषण को लात मारकर अपने दरबार से निकाल देते हैं। विभीषण राम की शरण में पहुंचते हैं। मंचन के दौरान अंगद के रावण के दरबार में अपना पांव जमा कर चुनौती देने, श्रीराम व रावण की सेनाओं में भयंकर युद्ध शुरू होने, लक्ष्मण के मूर्छित होने, हनुमान के संजीवनी बूटी लाने का मंचन किया गया। इस मौके पर महेंद्र मंगला, राजकुमार गोयल, अमित शौनक, प्रवीन गोयल, अमित कुच्छल, महेंद्र वर्मा, राहुल अग्रवाल और अनिल जैन सहित संस्थाओं के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

शस्त्रों, पेड़ व वाहन पूजा का विशेष महत्व

विजयदशमी के दिन लोग अपने पूर्वजों से चली आ रही शस्त्र पूजन की परंपरा को भी निभाते हैं। साधना व सिद्धियों के लिए भी इस दिन का प्रयोग किया जाता है। वाहन पूजन करना भी काफी शुभ मनाया गया है। दशहरा के दिन युवाओं व बच्चों का प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करना शुभ रहेगा। इस दिन शमी के पेड़ की पूजा करना विशेष फलदायी माना गया है।

गोहाना में तीन स्थानों पर होगा रावण दहन

गोहाना। शहर में दशहरा के अवसर पर मंगलवार को तीन स्थानों पर रावण दहन किया जाएगा। श्री सनातन धर्म मंदिर शिवाला मस्तनाथ द्वारा पुरानी सब्जी मंडी के पास, श्री दुर्गा ड्रामाटिक क्लब द्वारा टीटू धर्मशाला के सामने और रेलवे माल गोदाम कमेटी द्वारा बरोदा फाटक के निकट रावण के पुतले दहन किए जाएंगे। शिवाला मस्तनाथ में 35 फीट का पुतला दहन किया जाएगा।

न्यूज डायरी

एमडी स्कूल सरढ़ाना में रामलीला मंचन

गन्नौर। गांव सरढ़ाना स्थित एमडी स्कूल स्कूल में दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में रामलीला मंचन, सांझी प्रतियोगिता एवं रावण दहन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य जोगिंद्र मलिक शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य जोगिंदर मलिक ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित रामलीला का सजीव मंचन किया। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। रामलीला के माध्यम से विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। हरियाणा की पारंपरिक लोक कला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सांझी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें छात्राओं ने अपने हाथों से रंग-बिरंगी और आकर्षक सांझी कलाकृतियां तैयार कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।



जहन में आज भी जिंदा है प्रेम उर्फ रावण का अभिनय



खरखौदा। रामलीला की बात हो और बीते दौर के रावण की चर्चा न हो, ऐसा कैसे संभव है। यहां बात हो रही है खरखौदा की उस शख्सियत की, जिनका असली नाम था प्रेम। लेकिन लोगों ने उन्हें उनके नाम से कम और 'रावण' के नाम से ज्यादा पहचाना। प्रेम को रावण का किरदार निभाने का ऐसा जुनून था कि दशहरे से करीब एक-दो महीने पहले ही वह अपना काम धंधा तक बंद कर देते थे। इस दौरान उनका सारा ध्यान रामलीला के संवाद याद करने और रावण के किरदार की तैयारी में लगा रहता था। उन दिनों खरखौदा में होने वाली दिन की रामलीला देखने आसपास के लगभग 50 गांवों से लोग पहुंचते थे। प्रेम जब रावण के रूप में मंच पर आते तो उनके संवाद और अभिनय लोगों का खूब मनोरंजन करते थे। बीसियों साल तक उन्होंने रावण का किरदार निभाया। आज भी उनके परिवार के लोग बताते हैं कि उन्हें रावण कहलाने में गर्व महसूस होता था। यही वजह थी कि उन्होंने अपना नाम ही रावण रख लिया था। जीवनयापन की बात करें तो प्रेम ने कुछ समय मूंगफली बेचने का काम किया। इसके बाद उन्होंने खरखौदा में फ्रूट चाट की रेहड़ी लगानी शुरू कर दी थी। आज उनके बेटे भी उसी काम को आगे बढ़ा रहे हैं। वर्ष 2006 में प्रेम उर्फ रावण का निधन हो गया

श्रीराम जयघोष से गूंजी दशहरा रथ यात्रा

गोहाना। गोहाना-सोनीपत मार्ग स्थित ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा दशहरा पर्व पर रथ में रामायण पर आधारित भव्य एवं मनमोहक झांकी निकाली।



झांकी झलकियां देखकर विद्यार्थी भगवान श्रीराम के भक्ति गीतों पर झूमने से खुद को रोक नहीं सके। समारोह में कक्षा पहली से कक्षा 5वीं तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति से सनातन संस्कृति की सुंदर छटा बिखेरी। मार्गदर्शन स्कूल के एमडी अनिल मलिक और प्राचार्या उषा कौशिक का रहा। एमडी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान ही प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, आत्मविश्वास, नैतिक चेतना और अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना भी है। इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बुराई पर अच्छाई की जीत का दिया संदेश

गोहाना। ग्लोबल पब्लिक स्कूल गोहाना के प्रांगण में सोमवार को राम नवमी और विजयदशमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाए गए। स्कूल परिसर में असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के अध्यक्ष पंकज जाले, प्राचार्या डॉ प्रीति शर्मा और उप प्राचार्य जतिन आनंद सहित अन्य शिक्षकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीत तथा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चे राम, लक्ष्मण,और सीता की वेशभूषा में बहुत ही मनमोहक लग रहे थे। जैसे ही भगवान राम के स्वरूप में छात्र ने अग्निबाण चलाया, पूरा परिसर जय श्री राम के नारों से गंज उठा। छात्रों ने इस दृश्य के माध्यम से समाज को बुराई को त्यागने और अच्छाई को अपनाने का संदेश दिया।



कबड्डी स्पर्धा में बाल खिलाड़ियों ने किया प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन

गोहाना। गांव धनाना स्थित शहीद कप्तान सिंह खेल स्टेडियम में तीसरी राज्यस्तरीय नेशनल स्टाइल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। सोमवार को प्रतियोगिता के प्राथमिक मुकाबलों में लडक़ों की 48 किलोग्राम, 38 किलोग्राम और लड़कियों की 41 किलोग्राम भारवर्ग की टीमों ने अपने खेल कौशल के श्रेष्ठ प्रदर्शन से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। प्रतियोगिता का शुभारंभ गांव धनाना के सरपंच प्रतिनिधि अनिल जाटायन और पंचायत समिति कथूरा के वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि सतीश ने किया। मुख्य अतिथि कैनोइंग एंड कयाकिंग एसोसिएशन हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल कुमार धनाना, अर्जुन अवार्डी एवं भाजपा नेता दीपक हुड्डा, अर्जुन अवार्डी संदीप नरवाल, बरोदा हलका के विधायक इंदुराज नरवाल, पंचायत समिति कथूरा के चेयरमैन प्रतिनिधि प्रदीप मलिक और जीता हुड्डा थे। ग्रामीणों में पहलवान वजीर सिंह, पाला, दिलबाग, ईश्वर, पहलवान रामेश्वर राठी, अनिल प्रधान, सोमबीर धनाना, योग सहायक सुनील, राजल, रजनीश ठेकेदार, राजेश, तन्नु ढुल, सुनील सैनी, सोनू नंबरदार, विक्रम, अनिल प्रधान, अनिल उर्फ बुद्धसिंह, दलबीर (तोता), विजय उर्फ बंटू, राजेश, राजा और सोनू सहित गांव के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपना विशेष योगदान दिया। एंकर रविंद्र भैणी भैरो और कमेंटेटर पवन शर्मा भैणी महाराजपुर थे। प्रतियोगिता के प्रारंभिक मुकाबलों में गांव धनाना, भैणी भैरा, नारनौंद, लाढौत, रिंढाणा और कथूरा की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया।



जीडी गोयंका के खिलाड़ियों ने नॉर्थ इंडिया कराटे चैंपियनशिप में जीते दो स्वर्ण और दो रजत पदक

राई। जीडी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल, सोनीपत के खिलाड़ियों ने नॉर्थ इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। इंडो शोटोकान कराटे ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बीच विद्यालय के चार खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, तकनीक और खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय की खिलाड़ी अलीशा और इगोर ने स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं, लिजा और पराक्रम ने रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।



गुरुकुल मटिंडू में धूमधाम से मनाया दशहरा

खरखौदा। गुरुकुल मटिंडू में दशहरे का पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में प्राइमरी कक्षा के बच्चों ने भगवान श्रीराम, रावण और हनुमान के आकर्षक पात्रों का रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों की सुंदर वेशभूषा और मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। इस आयोजन में विद्यालय की प्राचार्या ज्योति मलिक, डायरेक्टर दीपेंद्र दहिया, प्राइमरी हेड हर्षा दहिया, उपप्राचार्य राकेश दहिया सहित विद्यालय के सभी कर्मचारी एवं ड्राइवर उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और पर्व की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत किया। इस प्रकार गुरुकुल मटिंडू में दशहरे का पर्व उल्लास, उमंग और सकारात्मक संदेश के साथ संपन्न हुआ।



सुंदरकांड पाठ से दिया धर्म और सेवा का संदेश



गन्नौर। नवरात्रि एवं दशहरा महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री हनुमान सेवा समिति, गन्नौर की ओर से राम मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विधायक देवेंद्र कादियान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मंदिर परिसर में पहुंचने पर आयोजकों ने फूलमालाओं से उनका स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि सुंदरकांड पाठ जैसे धार्मिक आयोजन हमारी आस्था और संस्कृति को मजबूत करने के साथ समाज को धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते है। भगवान श्रीराम और हनुमान जी के आदर्श हमें सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देते है। नवरात्रि और दशहरा जैसे पर्व हमें बुराई पर अच्छाई की जीत का महत्व समझाते है। ऐसे आयोजनों से समाज में भाईचारे और सद्भाव की भावना मजबूत होती है। हमें अपनी धार्मिक परंपराओं को सहेजते हुए युवा पीढ़ी को भी इनसे जोड़ना चाहिए। इस मौके पर पार्षद अजय सरोहा, शमशेर सैनी, विकास शर्मा, राजेश शर्मा, अंकित मल्होत्रा, विपिन बत्रा, सतीश मलिक, कार्तिक वधवा, तनिष टुटेजा, रवि सचदेवा, आर्यन जावा, शितिज तनेजा, मोहन कुमार, अजय मलिक, वंश तनेजा, तरुण शर्मा समेत काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

ऋषिकुल विद्यापीठ में मनाया विजयोत्सव



सोनीपत। गोहाना रोड स्थित ऋषिकुल विद्यापीठ में सोमवार को नवरात्र और दशहरे के पावन अवसर पर विजयोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नृत्य, नाटक और कहानी प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को आकर्षक और यादगार बनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय अध्यक्ष नीरज शर्मा ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को दशहरे और दुर्गा पूजा के धार्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। विद्यार्थियों को इस पर्व से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अच्छे संस्कार अपनाने और नैतिक मूल्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की निदेशिका रीमा शर्मा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियां विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपराओं, नैतिक मूल्यों और रचनात्मक प्रतिभा का विकास करना रहा। इस अवसर पर चंचल शर्मा और विद्यालय प्रभारी अंजु चौहान भी उपस्थित रहीं।

अभियान से लोकतंत्र की रक्षा करेगी कांग्रेस

- पूर्व मंत्री आनंद सिंह दांगी की अध्यक्षता में कांग्रेस भवन में हुई विशेष बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एचपीसीसी) के निर्देशानुसार सोमवार को कांग्रेस भवन, सोनीपत में 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान को लेकर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मंत्री व सोनीपत प्रभारी आनंद सिंह दांगी ने की। इस अवसर पर जिला प्रभारी रितु वर्मा, कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष कमल दिवान तथा ग्रामीण जिलाध्यक्ष संजीव दहिया मुख्य रूप से मौजूद रहे। शहरी जिलाध्यक्ष कमल दिवान ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के आह्वान पर देश में लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए 12 से 24 अक्टूबर तक 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री आनंद सिंह दांगी ने अभियान की रूपरेखा साझा की और कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों के साथ जनसंपर्क अभियान को धार देने के दिशा-निर्देश दिए।



सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद कांग्रेस जिलाध्यक्ष, पूर्व मंत्री एवं अन्य।

ये रहे मौजूद

बैठक में पूर्व विधायक पदम सिंह दहिया, जयवीर अंतिल, सुरेंद्र शर्मा (एचपीसीसी), ब्लॉक अध्यक्ष (एमसी-1 शहरी) दीपक चावला, ब्लॉक अध्यक्ष (एमसी-2 शहरी) विजेंद्र मलिक, ब्लॉक अध्यक्ष (ग्रामीण) पुनीत राणा, उपाध्यक्ष प्रशांत शर्मा, संगठन महासचिव मुकेश पन्नालाल, महासचिव देवेंद्र शर्मा, राजेश सेवली, दयानंद वाल्मीकि, सचिव अमित मंडल, सीमा वर्मा, धनंजय मलिक, कार्यालय प्रभारी जयवीर राठी, देवेंद्र महला, ऋतुराज, नवीन कुमार, प्रवीण पांचाल, नीलम बालियान, लीलू प्रधान, रणदीप दहिया और चंद्र कमल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

फिम्स अस्पताल में लगाया भंडारा श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

सोनीपत। फिम्स अस्पताल में नवरात्र के अवसर पर रविवार को सोनाराम चैरिटेबल ट्रस्ट के सानिध्य में भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। अस्पताल के सभी विभागाध्यक्षों ने श्रद्धापूर्वक भंडारे में प्रसाद वितरित किया। इससे पहले अस्पताल के पूजा गृह में अष्टमी पूजन और कन्या पूजन किया गया। इसमें अस्पताल के निदेशक मंडल, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। अस्पताल के चेयरमैन आरपी जैन ने कहा कि संसार में माता के त्याग से बढ़कर कोई ऊंचा नाता नहीं है। भंडारे में बहालगढ़ रोड से गुजरने वाले राहगीरों, आसपास की औद्योगिक इकाइयों के श्रमिकों तथा अस्पताल प्रबंधन, अधिकारियों और कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सीएमडी डॉ. अनिल जैन, सीओओ विवेक भल्ला, डॉ. नेहा अग्रवाल, एचआर प्रबंधक राजकुमार, लेखा प्रबंधक ओंकार जैन, एजीएम अरसान हसन, संजय राज, चिन्मय महाराणा और श्वेता सहित सभी विभागाध्यक्ष व कर्मचारी मौजूद रहे।



शिक्षा अधिकारियों, उद्यम लर्निंग फाउंडेशन के प्रेजेंटिव ने ली प्राचार्यों व स्कूल मुखियाओं की बैठक

जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने योजना की जरूरी जानकारियों से कराया अवगत

केबीसी-3.0 : 212 विद्यालयों के प्राचार्यों को दिए योजना संबंधी टिप्स, अब शिक्षकों-विद्यार्थियों का करेंगे मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

विद्यालय शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के ड्रीम प्रोजेक्ट कौशल बिजनेस चैलेंज (केबीसी-3.0) योजना एवं समग्र शिक्षा के तहत जिले के 212 राजकीय विद्यालयों के प्राचार्य व स्कूल मुखियाओं के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। गोहाना रोड स्थित इंडियन स्कूल में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने की। उन्होंने सभी को केबीसी-3.0 योजना की गाइडलाइन व महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराते हुए ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों की प्रतिभागिता पर जोर दिया। साथ ही जिलेभर के राजकीय विद्यालयों की सुविधाओं व व्यवस्थाओं पर भी समीक्षा की। नवीन गुलिया ने बताया कि विद्यालय प्राचार्य ही शैक्षिक एवं प्रशासनिक गुणवत्ता की धुरी होते हैं। जिले के करीब 212 प्राचार्य अब केबीसी-3.0 योजना के तहत शिक्षकों व विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। इसी उद्देश्य पर शिक्षा अधिकारियों, उद्यम लर्निंग फाउंडेशन एवं केबीसी के जिला नोडल अधिकारी अंकित शर्मा सहित राजकीय विद्यालयों के प्राचार्य व स्कूल मुखियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। सभी प्राचार्य, स्कूल मुखियाओं को योजना संबंधी टिप्स देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में जिला परियोजना संयोजक (डीपीसी) कृष्णा खत्री, जिला सह परियोजना संयोजक (एपीसी) डॉ. अत्तर सिंह, अमित भनवाला, सागर शर्मा मौजूद रहे।



सोनीपत। गोहाना रोड स्थित स्कूल में आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में मौजूद विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य व मुखिया।

योजना के तहत स्कूलों को बजट जारी

शिक्षा अधिकारियों के अनुसार समग्र शिक्षा के तहत निदेशालय ने उद्यम लर्निंग फाउंडेशन के सहयोग से प्रदेशभर के राजकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को किताबी ज्ञान के साथ नए बिजनेस लीडर्स बनाने का लक्ष्य रखा है। निदेशालय ने पंजीकरण की अवधि को 20 अक्तूबर से बढ़ाकर अब 25 अक्तूबर कर दिया है। सभी विद्यालय प्रबंधकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वह योजना के लिए ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों का पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करें।

सोनीपत में 8792 विद्यार्थियों का पंजीकरण

आकड़ों के अनुसार केबीसी-3.0 योजना के तहत प्रदेशभर के 23 जिलों में 3408 राजकीय विद्यालयों के 1,54,292 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता के लिए अपना ऑनलाइन पंजीकरण करवाया है। पंजीकरण के आधार पर प्रदेश में विद्यार्थियों की 8792 टीमों का गठन किया गया है। वहीं सोनीपत जिले की बात करें, तो अब तक 212 राजकीय विद्यालयों के 9368 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण करवाया है और 354 टीमें तैयार की गई है। निदेशालय ने पंजीकरण अवधि की छूट देते हुए फिलहाल 25 अक्तूबर तक पंजीकरण प्रक्रिया को जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9653530209, 9253681005, 9253681010